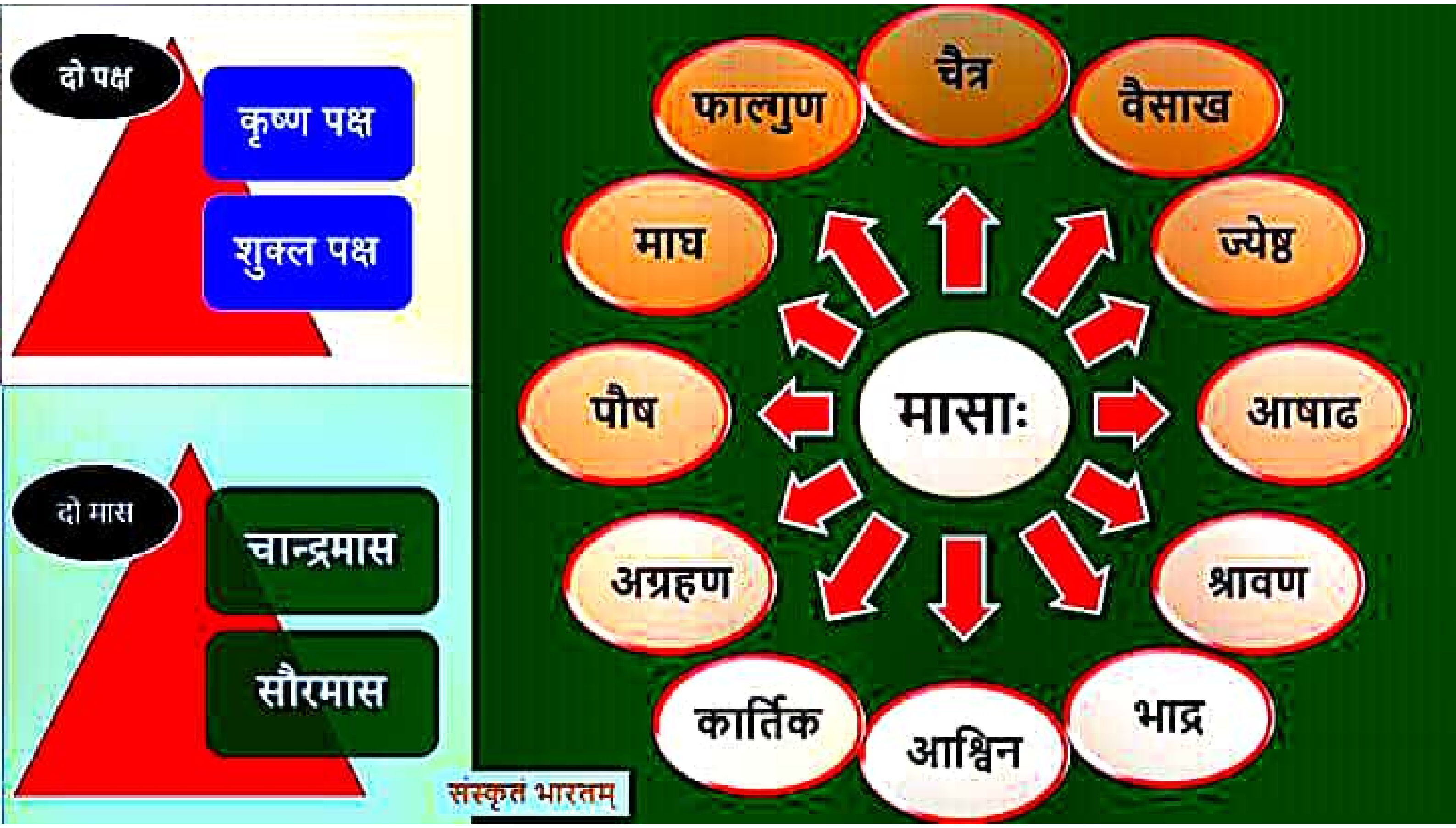

Scanned by CamScanner

गृह	मित्र	शत्रु	सम
सूर्य	चंद्र, मंगल, गुरु	शुक्र, शनि	बुध
चंद्र	सूर्य, बुध		मंगल, गुरु, शुक्र, शनि
मंगल	सूर्य, चंद्र, गुरु	बुध	शुक्र, शनि
बुध	सूर्य, शुक्र	चंद्र	मंगल, गुरु, शनि
गुरु	सूर्य, चंद्र, मंगल	बुध, शुक्र	शनि
शुक्र	बुध, शनि	सूर्य, चंद्र, मंगल	गुरु
शनि	बुध, शुक्र	सूर्य, चंद्र	मंगल, गुरु

Scanned by CamScanner

राशि	English Name	स्वभाव	राशि स्वामी
मेष	Aries	चर	मंगल
वृषभ	Taurus	स्थिर	शुक्र
मिथुन	Gemini	दुईस्वभाव	बुध
कर्क	Cancer	चर	चंद्र
सिंह	Leo	स्थिर	सूर्य
कन्या	Virgo	दुईस्वभाव	बुध
तुला	Libra	चर	शुक्र
वृश्चिक	Scorpio	स्थिर	मंगल
धनु	Sagittarius	दुईस्वभाव	गुरु
मकर	Capricorn	चर	शनि
कुम्भ	Aquarius	स्थिर	शनि
मीन	Pisces	दुईस्वभाव	गुरु

Scanned by CamScanner

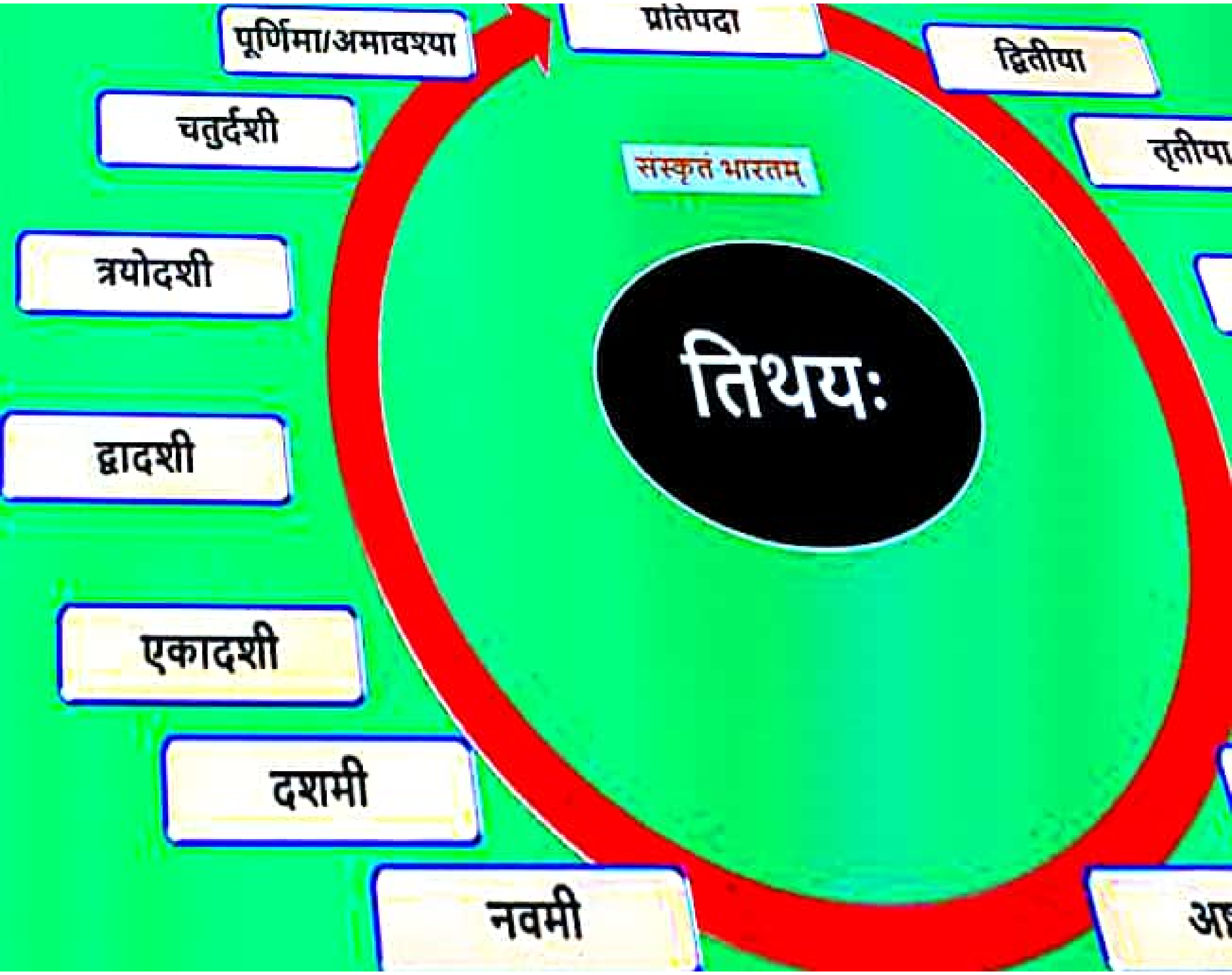

Scanned by CamScanner

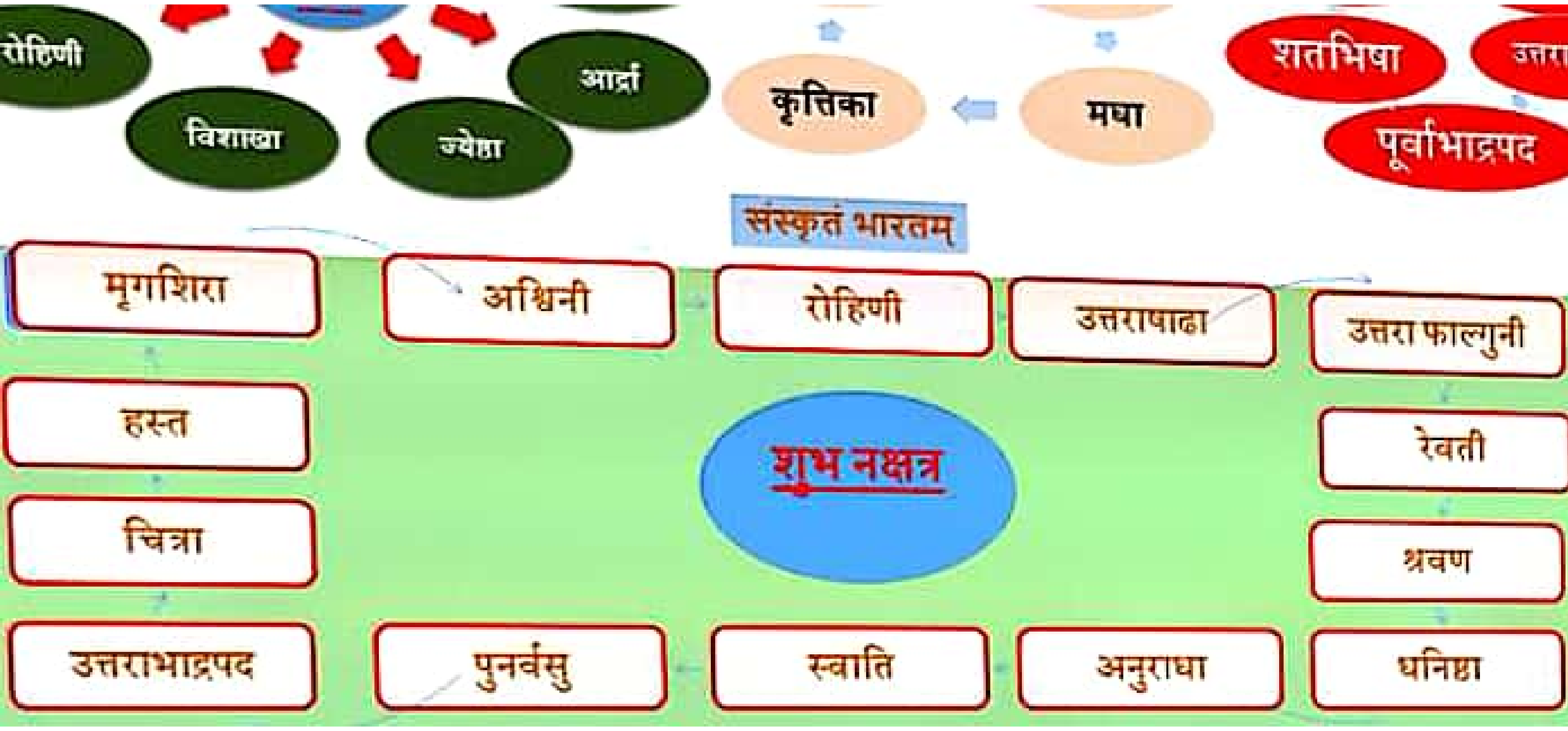

Scanned by CamScanner

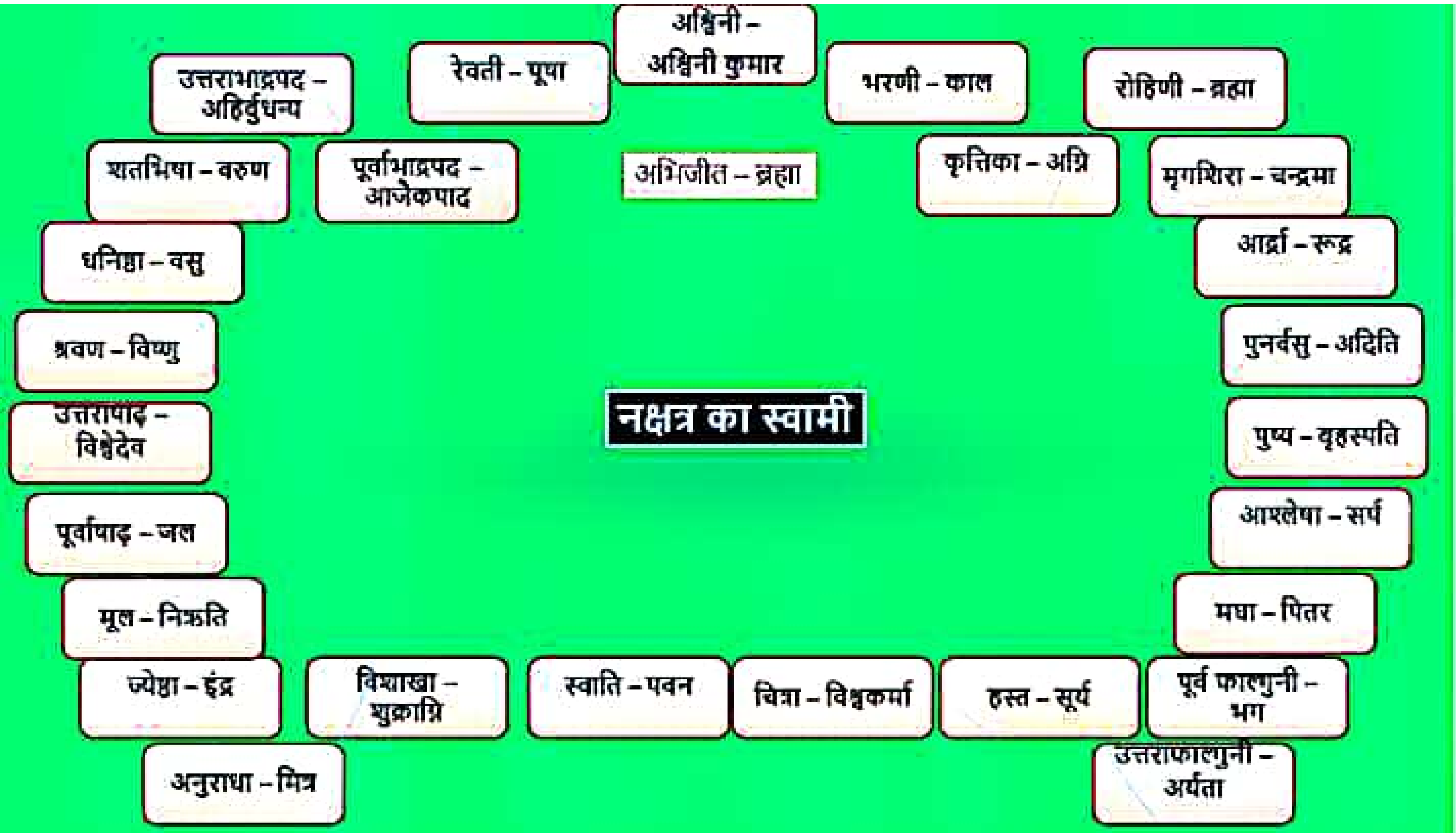

Scanned by CamScanner

संस्कृतं भारतम्

नक्षत्र क्या हैं?

नक्षत्र का सिद्धांत भारतीय वैदिक ज्योतिष में पाया जाता है। यह पद्धति संसार की अन्य प्रचलित ज्योतिष पद्धतियों से अधिक सटीक व अचूक मानी जाती है। आकाश में चन्द्रमा पृथ्वी के चारों ओर अपनी कक्षा पर चलता हुआ 27.3 दिन में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करता है। इस प्रकार एक मासिक चक्र में आकाश में जिन मुख्य सितारों के समूहों के बीच से चन्द्रमा गुजरता है, चन्द्रमा व सितारों के समूह के उसी संयोग को नक्षत्र कहा जाता है। चन्द्रमा की 360° की एक परिक्रमा के पथ पर लगभग 27 विभिन्न तारा-समूह बनते हैं, आकाश में तारों के यही विभाजित समूह नक्षत्र या तारामंडल के नाम से जाने जाते हैं। इन 27 नक्षत्रों में चन्द्रमा प्रत्येक नक्षत्र की 13°20' की परिक्रमा अपनी कक्षा में चलता हुआ लगभग एक दिन में पूरी करता है। प्रत्येक नक्षत्र एक विशेष तारामंडल या तारों के एक समूह का प्रतिनिधी होता है।

नक्षत्र का आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता हैं?

चन्द्रमा का एक राशिचक्र 27 नक्षत्रों में विभाजित है, इसलिए अपनी कक्षा में चलते हुए चन्द्रमा को प्रत्येक नक्षत्र में से गुजरना होता है। आपके जन्म के समय चन्द्रमा जिस नक्षत्र में स्थित होगा, वही आपका जन्म नक्षत्र होगा। आपके वास्तविक जन्म नक्षत्र का निर्धारण होने के बाद आपके बारे में बिल्कुल सही भविष्यवाणी की जा सकती है। अपने नक्षत्रों की सही गणना व विवेचना से आप अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। इसी प्रकार आप अपने अनेक प्रकार के दोषों व नकारात्मक प्रभावों का विभिन्न उपायों से निवारण भी कर सकते हैं। नक्षत्रों का मिलान रंगों, चिन्हों, देवताओं व राशि-रत्नों के साथ भी किया जा सकता है।

गंडमूल नक्षत्र - अश्विनी, आश्लेषा, मघा, मूला एवं रेवती !ये छः नक्षत्र गंडमूल नक्षत्र कहे गए हैं !इनमें किसी बालक का जन्म होने पर 27 दिन के पश्चात् जब यह नक्षत्र दोबारा आता है तब इसकी शांति करवाई जाती है ताकि पैदा हुआ बालक माता- पिता आदि के लिए अशुभ न हो ! संस्था में गंडमूल दोष निवारण की विशेष सुविधा उपलब्ध है !

Scanned by CamScanner

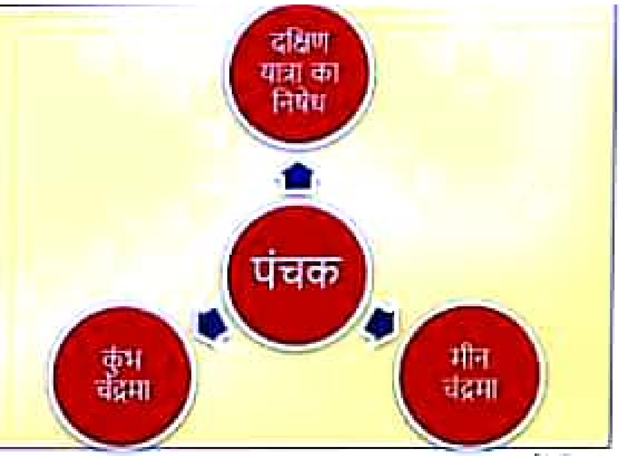

ग्रह ➡

गृह	English Name	लिंग	विशोत्तरी दशा (वर्ष)
सूर्य	Sun	पुल्लिंग	6
चंद्र	Moon	स्त्रीलिंग	10
मंगल	Mars	पुल्लिंग	7
बुध	Mercury	नपुंसक	17
बृहस्पति	Jupiter	पुल्लिंग	16
शुक्र	Venus	स्त्रीलिंग	20
शनि	Saturn	पुल्लिंग	19
राहु	Dragon's Head	पुल्लिंग	18
केतु	Dragon's Tail	पुल्लिंग	7

ग्रहों कि आपसी मित्रता-शत्रुता इस प्रकार है।

Scanned by CamScanner

शुभ नक्षत्र

रोहिणी, अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, चित्रा, उत्तराभाद्रपद, उत्तराषाढा, उत्तरा फाल्गुनी, रेवती, श्रवण, धनिष्ठा, पुनर्वसु, अनुराधा और स्वाति ये नक्षत्र शुभ हैं ! इनमें सभी कार्य सिद्ध होते हैं !

मध्यम नक्षत्र

पूर्वा फाल्गुनी, पूर्वाषाढा, पूर्वाभाद्रपद, विशाखा, ज्येष्ठा, आर्द्रा, मूला और शतभिषा ये नक्षत्र मध्यम होते हैं !इनमें साधारण कार्य सम्पन्न कर सकते हैं, विशेष कार्य नहीं !

संस्कृतं भारतम्

अशुभ नक्षत्र

भरणी, कृत्तिका, मघा और आश्लेषा नक्षत्र अशुभ होते हैं ! इनमें कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित है !ये नक्षत्र क्रूर एवं उग्र प्रकृति के कार्यों के लिए जैसे बिल्डिंग गिराना, कहीं आग लगाना, विस्फोटों का परीक्षण करना आदि के लिए ही शुभ होते हैं !

पंचक नक्षत्र

धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती !ये पाँच नक्षत्र पंचक नक्षत्र कहे गए हैं !इनमें समस्त शुभ कार्य जैसे गृह प्रवेश, यात्रा, गृहारंभ, घर की छत डालना, लकड़ी का संचय करना आदि कार्य नहीं करने चाहियें !

Scanned by CamScanner

`१. विष्कम्भ	२. प्रीति	३. आयुष्मान	४. सौभाग्य
५. शोभन	६. अतिगंड	७. सुकर्मा	८. धृति
९. शूल	१०. गंड	११. वृद्धि	१२. ध्रुव
१३. व्याघात	१४. हर्षण	१५. वज्र	१६. सिद्धि
१७. व्यतिपात	१८. वरीयन	१९. परिघ	२०. शिव
२१. सिद्ध	२२. साध्य	२३. शुभ	२४. शुक्ल
२५. ब्रह्म	२६. एन्द्र	२७. वैधृति	

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner